

प्रेषक,

आर०के०मिश्र

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 15 जून, 2009

विषय:-वर्ष 2009-10 हेतु स्वीकृत लेखानुदान के सापेक्ष अनुदान सं०-31 (टी०एस०पी०) के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष की योजना हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वन विभाग की आयोजनागत पक्ष में जनजाति उपयोजना के अन्तर्गत पियौरामढ़ वन प्रभाग एवं भूमि संरक्षण वन प्रभाग कालसी में संचालित "सिविल एवं सौयम वनों का विकास योजना" के लिए चालू वित्तीय वर्ष में रु० 33,33,000/- (रु० तैंतीस लाख तैंतीस हजार बारा) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. धनराशि का आहरण/व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार किस्तों में एवं स्वीकृत परिव्यय की सीमान्तर्गत ही किया जाय।
2. उक्त स्वीकृत व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्य के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय। विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं०-205/XXVII(1)/2009, दिनांक 25 मार्च, 2009 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति / यक्षा स्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त किया जाय, निर्माण कार्य सम्बन्धी आगणनों पर सक्षम स्तर का अनुमोदन पूर्व में ही प्राप्त कर लिया जाय तथा यथा-आवश्यकता नियमानुसार प्रशासनिक स्वीकृति पृथक् से प्राप्त की जाय। बी.एम.-13, 17 पर धनराशि व्यय / अवमुक्ति सम्बन्धी सूचनायें एवं विवरण समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय, किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड प्रोक्च्यूरमेन्ट नियमावली, 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पांच भाग-1 (लेखा नियम), वित्तीय हस्तपुस्तिका में अंकित सुसंगत नियमों/प्रतिबन्धों, आय-व्यय सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
3. योजना की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहाँ आवश्यकता हो समक्ष स्तर से सहमति/स्वीकृति ली जाय।
4. योजना हेतु अनुमोदित कार्यक्रम, विभागीय आवश्यकता के क्रम में योजना की उपयोगिता/ आवश्यकता के अनुरूप ही धनराशि व्यय की जाय, धनराशि व्यय करने से पूर्व कृपया यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि ध्येय कार्य उपयोजना के मूल उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं तथा उनका क्रियान्वयन तकनीकी एवं वित्तीय दृष्टिकोण से उचित है।
5. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से पालन किया जाय।
6. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।

7. अप्रयुक्त धनराशि बजट मैनुअल के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के लेखानुदान की अनुदान सं०-31 (टी०एस०पी०) के लेखाशीर्षक 2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 01-वानिकी 796-जनजाति क्षेत्र उप योजना 04-"सिविल एवं सोयम वनों का विकास योजना" की निम्नलिखित मानक मदों के नामे डाला जायेगा:-

(धनराशि रु० हजार में)

क्र.सं.	मानक मद	मद प्रकार	वर्तमान स्वीकृति
1	24-बूट निर्माण	साख-सीमा	2333
2	29-अनुरक्षण		1000
	योग		3333

(वर्तमान स्वीकृति रु० तैंतीस लाख तैंतीस हजार मात्र)

3- यह आदेश वित्त विभाग की अख्यसूचीय सं०- 54 (P)/XXVII(4)/2009, दिनांक 04 जून, 2009 द्वारा प्रदत्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(आर०के०मिश्र)

अपर सचिव

संख्या-1621(1)/X-2-2009, तद्दिनांकतः,

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूदनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार(लेखा एवं लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
2. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून.
3. मुख्य वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
5. सचिव, समाज कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड शासन.
6. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
7. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन.
8. आयुक्त कुमाऊँ / गढ़वाल मण्डल.
9. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
10. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, देहरादून.
11. मुख्य वरिष्ठ/सम्बन्धित कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
12. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
13. प्रभारी, एन आई सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
14. प्रभारी मिडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
15. गार्ड फाइल (जे).

आज्ञा से,

(अहमद अली)

अनु सचिव